IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.57
Volume 4, Issue 3, December 2024

कामकाजी महिलाओं के पारिवारिक समायोजन का एक अध्ययन

(बालाघाट जिले के विशेष सन्दर्भ)

डॉ. सुनीता जैन

सहायक प्राध्यापक समाजशास्त्र विभाग

स्व. दिलीप भटेरे शासकीय महाविद्यालय किरनापुर बलाघाट (म.प्र.)

शोध सारांश –

प्रस्तुत शोध पत्र बालाघाट जिले में कई संस्थाओं में कार्यरत महिला अध्यापिकाओं के पारिवारिक समायोजन पर आधारित है इस शोध पत्र के माध्यम से कामकाजी महिलाओं के पारिवारिक समायोजन उनकी दोहरी भूमिका का निर्वहन उनकी आर्थिक स्थित व सामाजिक स्थिति का अध्ययन किया गया है। प्रस्तुत शोध पत्र में वर्णनात्मक शोध प्रारूप का प्रयोग किया गया है तथा इस प्रपत्र का पूर्ण करने में असम्भावित निदर्शन के प्रकार जिसको सुविधापूर्ण निर्दशन के रूप मे जाना जाता है का प्रयोग किया गया है तथा साक्षात्कार अनूसुची के माध्यम से तथ्यों का वर्गीकरण व सारणीयन किया गया है।

प्रस्तुत शोध पत्र में वर्णनात्मक शोध प्रारूप का प्रयोग किया गया है तथा इस प्रपत्र का पूर्ण करने में असम्भावित निर्दशन के प्रकार जिसको सुविधापूर्ण निर्दशन के रूप में जाना जाता है का प्रयोग किया गया है तथा साक्षात्कार अनुसूची के माध्यम से तथ्यों का वर्गीकरण व समायोजन किया गया है।

उपरोक्त तथ्यों के सत्यापन से यह बात स्पष्ट होती है कि कामकाजी महिलाऐं इतनी परेशानियों के बावजूद भी अपनी नौकरी व परिवार के बीच सन्तुलन बनाने में सक्षम पायी गयी अतः यह कहा जा सकता है कि आज की नारी सशक्त बनकर दोनों स्थानों में अपनी योग्यता कर रही हैं।

मुख्य शब्द– कामकाजी महिलाऐं, समायोजन, दोहरी भूमिका, सामंजस्य